भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-191

उत्तर देने की तारीख-25/11/2024

पिछड़े और पहाड़ी क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना

191. श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में केंद्रीय विद्यालयों (केवी) के कार्यकरण की हाल ही में समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहें;

(ग) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों में स्थापित केंद्रीय विद्यालयों की स्थान-वार संख्या कितनी है;

(घ) वर्तमान योजना की शेष अवधि में स्थापित किए जाने वाले केंद्रीय विद्यालयों का स्थान-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश के पिछड़े और जरूरतमंद क्षेत्रों विशेषकर महाराष्ट्र में जिले-वार केंद्रीय विद्यालयों को स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं/किए जाने हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): शिक्षा मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय विद्यालय संगठन (के.वि.सं.) के कामकाज की नियमित रूप से समीक्षा और निगरानी की जाती है। संगठन के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन आवधिक रूप से के.वि.सं. के शासी बोर्ड और सामान्य सभा द्वारा किया जाता है। कार्यनिष्पादन की निगरानी के लिए मुख्य परिणाम क्षेत्रों के साथ-साथ वार्षिक कार्य योजना और मध्यम अवधि की कार्यनीतिक योजनाएं तैयार की जाती हैं। के.वि.सं. के निष्पादन की जानकारी प्रति वर्ष इसकी वार्षिक रिपोर्टों और संपरीक्षित लेखा विवरणों के माध्यम से संसद को भी दी जाती है।

(ग) से (ङ): के.वि.सं. से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विगत तीन वर्षों और मौजूदा वर्ष (अर्थात् 2021-22, 2022-23, 2023-24 और मौजूदा वर्ष 2024-25) के दौरान पूरे देश में सिविल/रक्षा/उच्च शिक्षा संस्थान/परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत 14 नए केंद्रीय विद्यालय (केवि) खोले गए हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न हैं।

वर्तमान में महाराष्ट्र राज्य में 59 केवि कार्यात्मक हैं। नए केन्द्रीय विद्यालयों का खेला जाना एक सतत प्रक्रिया है। केन्द्रीय विद्यालय मुख्य रूप से रक्षा एवं अर्धसैनिक बलों, केन्द्रीय स्वायत्त निकायों, केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केन्द्रीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचएल) के कार्मिकों सहित केन्द्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरे देश में शिक्षा का एक साझा कार्यक्रम प्रदान करके कर खोले जाते हैं। नए केन्द्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) के प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किए जा सकते हैं, जिनमें मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार नए केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए भूमि और अस्थायी आवास सहित अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल होती है। प्रस्ताव मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन हैं। केन्द्रीय विद्यालय पिछड़े/जरूरतमंद क्षेत्रों के मानदंड पर नहीं खोले जाते हैं।

*****

अनुलग्नक

माननीय संसद सदस्य श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर एवं श्री संदिपनराव आसाराम भुमरे द्वारा 'पिछड़े और पहाड़ी क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना' के संबंध में दिनांक 25/11/2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 191 के भाग (ग) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

विगत तीन वर्षों और मौजूदा वर्ष के दौरान खोले गए केन्द्रीय विद्यालयों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण

वर्ष	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	क्रम संख्या	केवि का नाम
2021-22	कर्नाटक	1.	सदलगाह, जिला, बेलगावी
	पंजाब	2.	आईआईटी रोपड़, जिला- रूपनगर
	हरियाणा	3.	बिलासपुर, जिला यमुनानगर
2022-23	त्रिपुरा	4.	बीएसएफ गोकुलनगर, जिला-सिपाहिजाला
	ओडिशा	5.	एमसीएल सुभद्रा क्षेत्र जिला- अंगुल
		6.	एमसीएल जग्गन्नाथ क्षेत्र जिला- अंगुल
		7.	आईआईटी भुवनेश्वर, जिला- खोरधा
	हिमाचल प्रदेश	8.	धरमपुर जिला मंडी
2023-24	गुजरात	9.	दीन दयाल बंदरगाह प्राधिकरण गांधीधाम
	अरुणाचल प्रदेश	10.	एनआईटी अरुणाचल प्रदेश, जोटे जिला. पापुम पारे
	पंजाब	11.	पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, घुद्दा, जिला भटिंडा
2024-25	आंध्र प्रदेश	12.	आईआईटी तिरुपति
	बिहार	13.	205 कोबरा बीएन सीआरपीएफ बाराचट्टी, गया
	ओडिशा	14.	एनआईटी राऊरकेला

*****